Today's Poem – 01.08.2014

तुम यहाँ पढ़ाई पढ़ने के लिए आये हो

बाप से पूरा वर्सा लेने आये हो

हम हैं बाप के वर्से के अधिकारी

नहीं हैं भिखारी

बाप जो ज्ञान श्रृंगार करते हैं, उसे कायम रखने का पुरूषार्थ करना

माया की धूल में ज्ञान श्रृंगार नहीं बिगाड़ना

आँखें बन्द कर बैठने की आदत नहीं डालनी

पढ़ाई अच्छी रीति पढ़कर अविनाशी कमाई करनी

समय के महत्व को जान

बाबा की श्रीमत को दे मान

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!